पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

निराश्रित महिलाश्रम की तीन बेटियां दाम्पत्य सूत्र में बंधी
सब ने दिया सुखी जीवन का आशीर्वाद
बेटियों का सम्मान हो और बेटियों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए--राज्यपाल

लखनऊः 18 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज मोतीनगर स्थित लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह तथा वृद्ध एवं निराश्रित महिलाश्रम में तीन संवासिनियों प्रिया, सुमित्रा और रजनी के शुभ पाणिग्रहण संस्कार में जाकर आशीर्वाद दिया। राज्यपाल उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद के पदेन अध्यक्ष होते हैं। समारोह में महिला कल्याण मंत्री डा0 रीता बहुगुणा जोशी, राज्यमंत्री श्रीमती स्वाती सिंह, पूर्व मंत्री डा0 सरजीत सिंह डंग, सहारा वेलफेयर की श्रीमती कुमकुम राय चैधरी, राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर, परिषद की चेयरमैन श्रीमती उज्जवला कुमारी, परिषद की महासचिव श्रीमती रीता सिंह सहित विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं, बाल कल्याण परिषद के सदस्यगण व बड़ी संख्या में इष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने भावविभोर होते हुए कहा कि 'मेरे लिये अत्यन्त सुखद क्षण है राज्यपाल और संस्था के अध्यक्ष के नाते जीवन में पहली बार एक मंच से तीन बेटियां अपने घर जा रही हैं। आज का दिन भी शुभ है क्योंकि आज अक्षय तृतीय के साथ-साथ भगवान परशुराम की जयन्ती भी है। मैं तीनों नवदम्पतियों से कहूंगा कि पति-पत्नी संसार की गाड़ी के दो पहिये जैसे होते हैं, नया जीवन प्रारम्भ हो रहा है आप गृहस्थ आश्रम में प्रवेश कर रहे हैं। वैवाहिक जीवन का आधार विश्वास और सामजंस्य होता है। बेटी की शादी के समय आंखों से निकलने वाले आंसू को भी आनन्द अश्रु कहा जाता है। सरकार ने भी 35-35 हजार रूपये का आर्थिक सहयोग दिया है। मैं राज्यपाल के नाते राजभवन की ओर से तीनों संवासिनियों को साढ़े सात-सात हजार रूपये आशीष के तौर पर दे रहा हूँ।'

श्री नाईक ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू की है और उसका साथ देने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज भी उनके द्वारा विभागीय मंत्री से बात करके निराश्रित गृह की संवासिनियों के लिये धन की व्यवस्था कराई गई है। समाचार पत्रों में लूट, हत्या, बलात्कार जैसी खबरों को पढ़कर मन खिन्न होता है पर जब किसी बेटी की शादी की खबर मिलती है तो वह आनन्द देने वाली खबर होती है। इस विवाह समारोह का सन्देश पूरे उत्तर प्रदेश में जाये, बेटियों का सम्मान हो और बेटियों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिये। उन्होंने संवासिनियों के विवाह में सहयोग करने वाली सभी स्वयंसेवी संस्थाओं और समाज के अन्य लोगों का आभार भी व्यक्त किया।

महिला कल्याण मंत्री डा0 रीता बहुगुणा जोशी ने समारोह में नवदम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए वर से कहा कि 'यदि पत्नी आगे भी शिक्षा ग्रहण करना चाहे तो पढ़ाई में उसका सहयोग करें।' दाम्पत्य जीवन विश्वास का रिश्ता होता है इसलिये एक-दूसरे से प्रेम और सम्मान का रिश्ता बनाये रखें। हम ऐसे देश के रहने वाले हैं जहां देवी और बेटी की उपासना होती है। कन्या भ्रूण हत्या पर चिन्ता जताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार बेटियों के हित के लिये संकल्पित है और उन्हें सम्मान से जीने का पूरा अधिकार है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार निर्धन कन्याओं को विवाह के लिये 35 हजार रूपया देती है जिसमें से 20 हजार कन्या के बैंक खाते में, 10 हजार घरेलू सामान के क्रय करने के लिये तथा 5 हजार आयोजन करने वाली संस्था को दिये जाते हैं। डा0 रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि राज्यपाल के प्रयास से तीनों बेटियों को 35-35 हजार रूपये स्वीकृत किये गये हैं।

राज्यमंत्री श्रीमती स्वाती सिंह ने सरकार द्वारा सामूहिक विवाह के लिये चलाई गई योजना पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से निर्धन कन्याओं के लिये सामूहिक विवाह योजना संचालित की जा रही है। उन्होंने नवदम्पतियों को सुखी वैवाहिक जीवन के लिये आशीर्वाद दिया।

उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह तथा वृद्ध एवं निराश्रित महिला आश्रम में रहने वाली प्रिया की शादी सीतापुर निवासी पुजारी विश्वकर्मा से, सुमित्रा की शादी सदर निवासी मनीष खत्री तथा रजनी की शादी राजेन्द्र नगर निवासी राजीव राजपूत से बड़ी धूमधाम से सम्पन्न हुई। राज्यपाल ने बेटियों को दिये जाने वाले घरेलू सामान का भी निरीक्षण किया और प्रसन्नता व्यक्त की।

अंजुम/रा0/राजभवन (164/36)

MAHARAJA
WHITELINE